उत्तरी छत्तीसगढ में नगरीय कार्यिक स्वरुप का वर्तमान एक भौगोलिक अध्ययन

डाॅ.सुमित कुमार सोनी
पीएचडी, नेट, सेट (भूगोल)
गोड़पारा राजा राम मंदिर के पास
बिलासपुर छत्तीसगढ

सांराश :-

नगरीय कार्यिक स्वरुप के वर्तमान अध्ययन के लिए छत्तीसगढ प्रदेश के उत्तरी भाग को लिया गया है। इस भाग मे 6 जिले (सरगुजा ,कोरिया,जशपुर, सूरजपुर, बलरामपुर, मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर) यह सरगुजा संभाग के अन्तर्गत आते हैं।छत्तीसगढ का निर्माण 1 नवंबर 2000 हुआ तब से लेकर वर्तमान तक इन प्रदेश में जनसंख्या काफी तेज गति सें बढ़ रही है यह वृध्दि 22.61 (2011) प्रतिशत रही है। छत्तीसगढ में ग्रामीण प्रतिशत 76.76 तथा नगरीय प्रतिशत 23.24 (59.37 लाख) है। उत्तरी छत्तीसगढ में जनसंख्या 3870472 लाख (2011) में थी जो बढ़कर 2023 में 4251759 लाख हो गया हैं। इस क्षेत्र में जनसंख्या वृध्दि 17.23 प्रतिशत तथा नगरीय प्रतिशत 13.35 प्रतिशत (सरगुजा 16.27, कोरिया 20.25 जशपुर 8.92, सूरजपुर 9.06, बलरामपुर 3.73, मनेन्द्रगढ़ - चिरमिरी-भरतपुर 39.03) तथा 86.65 प्रतिशत ग्रामीणकरण है। उत्तरी छत्तीसगढ में जनसंख्या वृध्दि तथा नगरीय वृध्दि का मुख्य कारण स्थल - स्थित ,भौगोलिक, आर्थिक - सामाजिक, राजनीतिक कारण महत्वपूर्ण है। उत्तरी छत्तीसगढ में प्राकृतिक, पर्यटन की दृष्टि तथा धार्मिक दृष्टि से सम्पन्न है। आधिकांश जनसंख्या का मुख्य व्यवसाय कृषि और खनिज संसाधन (कोयला ,बॉक्साइट) से भी सम्पन्न है। नगरीय विकास की विभिन्न योजना के व्दारा इन सभी क्षेत्रो का विकास हो रहा है। उत्तरी छत्तीसगढ में जनसंख्या घनत्व 137.37 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर तथा साक्षरता का प्रतिशत 64.87 है। प्रदेश की जनसंख्या 3870472 में नगरीय जनसंख्या 516764 है। नगरीय जनसंख्या की वृध्दि से जहां नगर का विकास तथा क्षेत्र का विस्तार होता है वहीं इन्ही कारको के कारण समस्या उत्पन्न होती है।

कीवर्ड :-

सरगुजा संभाग, जनसंख्या वृध्दि, ग्रामीण एंव नगरीय प्रतिशत, घनत्व तथा लिंगानुपात ,कार्यिक स्वरुप

प्रस्तावना:-

आज के इस आधुनिक युग में विकास की निरन्तरता बढ़ती जा रही है। ग्रामीण से नगरीय स्वरुपो में परिवर्तन से नगरीय क्षेत्रो में सीमेंट और कांक्रीट के जंगलो का बहुत विस्तार बढ़ा रहा है। प्राचीन काल में छत्तीसगढ - 36 गढ़ो में बटा हुआ था। गढ़ का अर्थ होता है किला ,पहले नगर चार दीवारो सें घिर रहते थे तथा बाहरी भाग ग्रामीण कहलाता था। लेकिन आज वर्तमान स्वरुप में का परिवर्तन हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रो से लोगो का लगातार प्रवास नगर की ओर हो रहा है कारण रोजगार, अच्छी सुविधा, सुरक्षा,स्वास्थ्य, शिक्षा,विद्युत, यातायात आवास, दूरसंचार सब मूल रूप है।

नगरो में जनसंख्या के वृध्दि से कार्यो मे जटिलता होते जा रही है।अत: नगर के अपने कुछ विशिष्ट कार्य होते है जैसे प्रशासनिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक इन सब संरचना का पता चलता है। छत्तीसगढ का निर्माण 1 नवंबर 2000 सन में हुआ।इस प्रदेश में जनसंख्या 2011 में 25545198 थी। जो देश की जनसंख्या का 2.11 प्रतिशत है तथा छत्तीसगढ का क्षेत्रफल 135192 वर्ग किलोमीटर है। छत्तीसगढ को धान का कटोरा के नाम से भी प्रसिद्‌ध है।

नगरीय कार्यिक स्वरुप के अध्ययन के लिए उत्तरी छत्तीसगढ के इस भाग को लिया गया है। उत्तरी छत्तीसगढ यह भाग **सरगुजा संभाग** के अन्तर्गत 6 जिले - सरगुजा ,कोरिया ,जशपुर, बलरामपुर, सूरजपुर, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले वर्तमान में है।इस क्षेत्र में नगरीय स्वरुप में परिवर्तन देखा गया है। उत्तरी छत्तीसगढ के सभी जिले अपनी एक विशिष्ट स्थान रखते है, जशपुर का लुडेंगा टमाटर का अधिक उत्पादन होने के कारण टमाटर राजधानी, सरगुजा मे प्राचीन नाटशाला सीताबेगरा तथा छत्तीसगढ का **शिमला** मेनपाट एंव छोटा तिब्बत मैनपाट को भी कहते है। बलरामपुर जिला मे छत्तीसगढ की सबसे ऊंची चोटी **गौरलाटा** तथा अनेक पर्यटन स्थल, धार्मिक स्थल,परिवहन मार्गो (रेल-सड़क-हवाई मार्ग) के विकास,औद्योगिक विकास, सेवा केंद्रो की वृध्दि आदि अनेक कारणो से नगरीय जनसंख्या मे वृध्दि हो रही है।

राज्य का प्रतीक वाक्य। **"गढबो नवा छत्तीसगढ "** का अर्थ प्रदेश ने समन्वित, समावेशी एंव धारणा औद्योगिकीकरण के माध्यम में आत्मनिर्भर एंव निरंतर प्रगतिशील अर्थ व्यवस्था का निर्माण करना है। उत्तरी छत्तीसगढ के इस भाग में 6 जिले 2023 के अनुसार (सरगुजा,कोरिया,,जशपुर, बलरामपुर,सूरजपुर, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) छत्तीसगढ का यह भाग पूर्णरुप से आदिवासी क्षेत्र है यह क्षेत्र आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़ा क्षेत्र माना जाता है अधिकांश जनसंख्या का कृषि कार्य मुख्य कार्य है तथा अधिकांश जनसंख्या 86.64 प्रतिशत ग्रामीण है लेकिन आज नगरीय जनसंख्या में वृध्दि हुई है। छत्तीसगढ में ग्रामीण जनसंख्या 2001 में 79.92 प्रतिशत थी ,जो 2011 में ग्रामीण प्रतिशत 76.76 हो गया तथा नगरीय प्रतिशत 2011 में 23.24 रही। जबकि भारत में नगरीय प्रतिशत 31.16 है नगरीकरण में छत्तीसगढ देश के राज्य /केन्द्र शासित प्रदेश में 28 वे स्थान में है। उत्तरी छत्तीसगढ मे 2023 में नगरीय प्रतिशत 13.35 (सरगुजा 16.27, कोरिया 8.57,जशपुर 8.92 , सूरजपुर 9.06, बलरामपुर 3.72, महेन्द्रगढ़-चिरमरी -भरतपुर 39.02) इन क्षेत्रो में नगरीय तथा कार्यिक स्वरुप में विभिन्नता देखने को मिल रहा है

उत्तरी छत्तीसगढ 2011

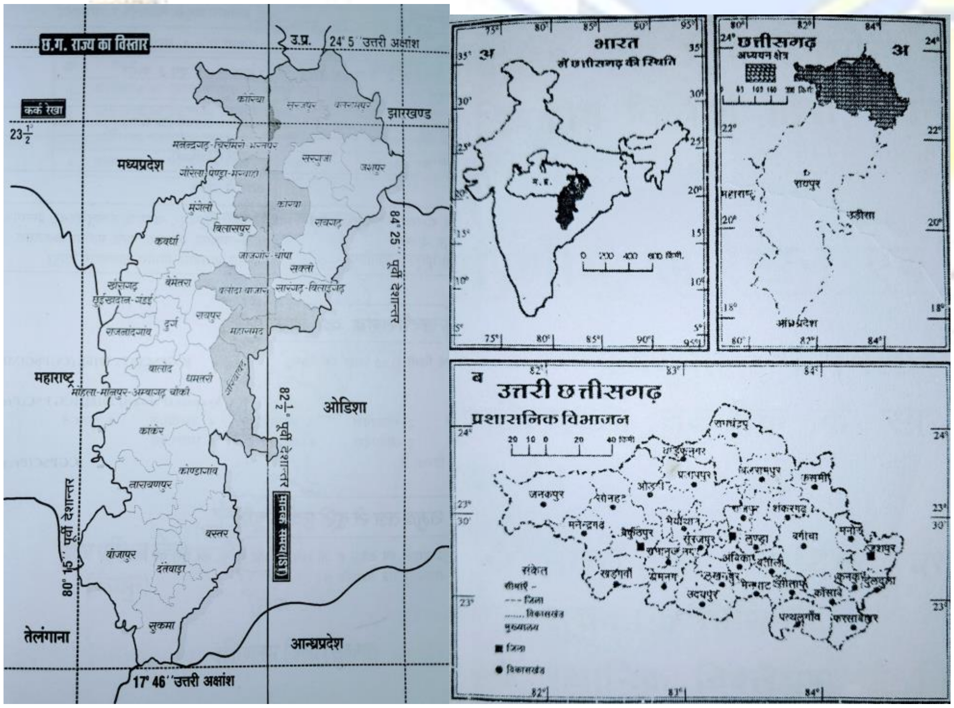

उत्तरी छत्तीसगढ विकास खण्ड 2023

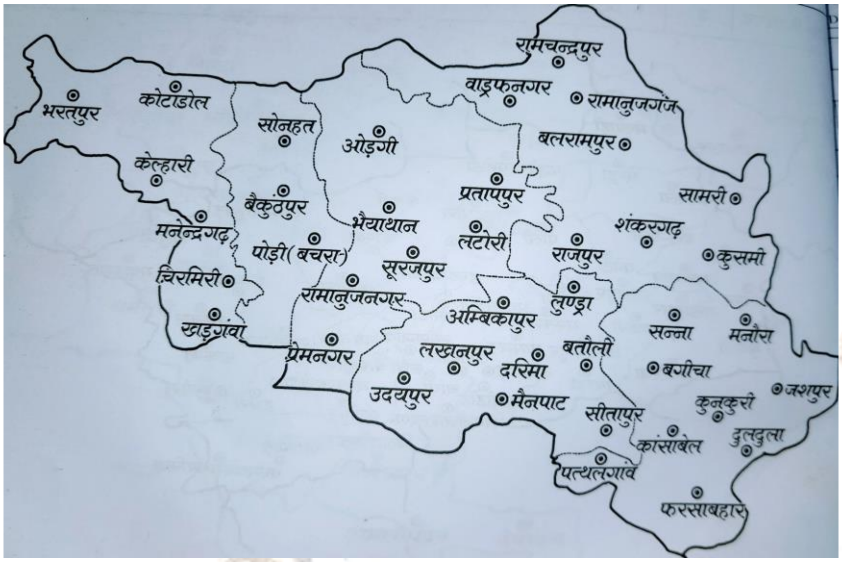

यह क्षेत्र 22°17'23" उत्तरी अक्षांश सें 24°05' उत्तरी अक्षांश तथा 81°25' पूर्वी देशांतर से 84°24'पूर्वीदेशांतर तक विस्तार है। उत्तरी छत्तीसगढ का भौगोलिक क्षेत्रफल 28174 वर्ग किलोमीटर है। 23°30' कर्क रेखा उत्तरी छत्तीसगढ के मनेन्द्रगढ़-चिरढ़मिरी-भरतपुर ,कोरिया, सूरजपुर बलरामपुर

से होकर कर तथा देशांतरीय रेखा 82°30 भारतीय मानक रेखा उत्तरी छत्तीसगढ के सूरजपुर, कोरिया हो कर गुजरती है । कर्क तथा देशांतरीय कटान बिन्दु सूरजपुर है तथा कुल जनसंख्या 4251759 (2023 के अनुसार)

किंग लेडेविस (1962)

" सम्पूर्ण जनसंख्या की तुलना में नगरीय केंद्रों की जनसंख्या में आनुपातिक वृध्दि अथवा राष्ट्र की औसत जनसंख्या वृध्दि की तुलना में तीव्रगति से नगरीय जनसंख्या में वृध्दि को नगरीकरण का सूचक माना जाना चाहिए "

अध्ययन उद्देश्य:-

- क्षेत्र के नगरीय स्वरुप का अध्ययन करना।
- क्षेत्र के भौगोलिक स्वरुप अध्ययन करना।
- क्षेत्र के नगरीय वृध्दि के कारको विशेषण करना।
- क्षेत्र के नगरीय वृध्दि के परिणाम विवेचनात्मक अध्ययन।
- क्षेत्र के नगरीय कार्यिक स्वरुप का अध्ययन करना।
- क्षेत्र के प्रतिवर्ष नगरों का अध्ययन करना।
- क्षेत्र में नगरीय प्रक्रिया एंव स्तर का मापन करना।
- क्षेत्र के नगरीय स्थानिक विवरण के स्वरुप को स्पष्ट करना।
- क्षेत्र के नगरीय योजना के योगदान का अध्ययन करना
- क्षेत्र के नगरीय जनसंख्या विवरण का विश्लेषण करना

आकड़ो के स्त्रोत:-

उत्तरी छत्तीसगढ नगरीय कार्यिक स्वरुप के अध्ययन के लिए जनगणना के प्रकाशित आंकड़े के साथ विभिन्न नगरो से एकत्र आंकड़ो के आधार पर है। नगर निवेश जिला सांख्यिकीय कार्यालय तथा भूमि उपयोग कार्यालय, नगर पालिका,निगम कार्यालय, समाचार पत्र, तथा नेट से प्राप्त व्दितीक आंकड़ो के आधार पर है।

सारणीय आरेखन एंव विधि :-

उपयुक्त अध्ययन क्षेत्र के लिए विभिन्न मानचित्रांकन तकनीक के साथ-साथ रेखी आलेखों का उपयोग किया गया है। नगरो के कार्यिक वर्गीकरण हेतु कार्यात्मक केन्द्रीयता सूचकांक विधि तथा **जी.के.जिस** कोटि आकार नियम। क्षेत्र अध्ययन में विश्लेषणात्मक तथा विवरणात्मक विधि का भी प्रयोग किया गया है

नगरीय कार्यिक वृध्दि के कारण :-

आज वर्तमान में नगरो का विस्तार अधिक तीव्र गति से बढ़ रहा है जिस प्रकार मानव का जीवन का विकास तथा आगे बढ़ने की गतिशीलता बनी रहती है। उसी प्रकार नगरो का भी विकास धीरे धीरे होता है। जिसके कारण नगरीय आकारिकी तथा उसके स्वरुप में परिवर्तन देखने को मिलता है। नगरीय वृध्दि के कारण :-

- स्थल एंव स्थित कारक
- भौगोलिक कारक
- आर्थिक कारक
- सामाजिक - सामाजिक कारक
- राजनीतिक एंव एंव प्रशासनिक निर्णय

उत्तरी छत्तीसगढ में नगरीय कार्यिक स्वरुप :-

ग्रामीण क्षेत्र से नगरो की ओर जनसंख्या का आना जिससे नगरीय अर्थव्यन्स्था में विकास से नगरीय शहरो की वृध्दि से सम्पन्नता को बढाती है।

शिक्षा ,स्वास्थ्य,विद्युत, आवास, यातायात मुख्य तत्व है 1951 मे जहां शहरीकरण 4.88 प्रतिशत (3.64 लाख) था यह वर्ष 2011 बढ़कर 23.24 (59.37 लाख) हो गया।

आज विश्व में तीव्र आर्थिक वृध्दि के कारण शहरीकरण बढ़ता जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप मानव सभ्यता अधिक नगरीय होती जा रही है अधिक जनसंख्या की आवश्यकतानुसार वस्तु ,उपभोग की दृष्टिकोण से उत्पादन अधिक होता है। अर्थव्यवस्था के अनुसार उच्च जनसंख्या एंव जनसंख्या घनत्व लेन-देन का व्यय तथा सेवा को सस्ता बनाती है शहर विकास का इंजन है

भारत की कुल जनसंख्या में छत्तीसगढ की कुल जनसंख्या,ग्रामीण -नगरीय प्रतिशत

तालिका 1

क्रमांक	वर्ष	छ.ग.जनसंख्या (करोड़ मे)	ग्रामीण प्रतिशत	नगरीय प्रतिशत
1	2011	2.11	2.35	1.7
2	2012	2.12	2.36	1.58
3	2013	2.12	2.37	1.59
4	2014	2.13	2.37	1.60
5	2015	2.13	2.38	1.61
6	2016	2.14	2.39	1.62
7	2017	2.14	2.40	1.63
8	2018	2.15	2.40	1.64
9	2019	2.15	2.41	1.65
10	2020	2.16	2.42	1.66
11	2021	2.16	2.43	1.66
12	2022	2.17	2.43	1.67
13	2023	2.17	2.44	1.68
14	2024	2.18	2.45	1.69

स्त्रोतः-आर्थिक सर्वेक्षण छत्तीसगढ 2022-23 पृष्ठ 12

छत्तीसगढ में शहरीकरण की गति 2011

तालिका -2

क्र	पद	1951	1961	1971	1981	1991	2001	2011
1	कुल जनसंख्या (लाखो)	74.57	91.54	116.37	140.1	176.15	208.34	255.45
2	दशकों वृध्दि दर	9.42	22.77	27.12	20.39	25.73	18.37	22.61
3	शहरी जनसंख्या (लाख)	3.64	7.63	12.08	20.58	30.65	41.86	56.37
4	दशकों शहरी जनसंख्या वृध्दि दर		109.52	58.37	70.39	48.9	36.58	41.84
5	शहरी जनसंख्या में दशकों वृध्दि दर		3.99	4.45	8.5	10.07	11.21	17.51
6	कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत	4.88	8.33	10.38	14.69	17.4	20.09	23.24

स्त्रोत :-छत्तीसगढ आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 पृष्ठ 274

तालिका 2 से यह स्पष्ट है कि छत्तीसगढ प्रदेश में नगरीय जनसंख्या वृध्दि अधिक बढ़ रही है। बल्कि यह समस्त देश के शहरी जनसंख्या वृध्दि से अधिक गति से बढ़ रही है। जहां वर्ष 1951 में कुल जनसंख्या का नगरीय भाग 5 प्रतिशत से भी कम था।वही वर्ष 2011 की जनगणना इसमें 23 प्रतिशत से अधिक वृध्दि हुई है। सन 1951 में शहरी जनसंख्या 3.64 लाख थी जो बढ़कर 2011 में 59.37 लाख हो गई।

उत्तरी छत्तीसगढ नगरीय का विस्तार तीव्र गति से हुआ है,व्यापारिक एंव औद्योगिकीकरण के कारण क्रांति नें इसको को काफी विस्तार दिया है।

यह प्रक्रिया तीन रुप में होती है -

- ग्रामीण क्षेत्रो से नगर की ओर स्थायी प्रवास के कारण नगरो की जनसंख्या वृध्दि होती है।
- ग्रामीण जनसंख्या में वृध्दि तथा कार्यिक स्वरुप से (व्दितीक,तृतीयक,चतुर्थ व्यवसाय।
- नगरीय क्षेत्र के सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्र नगरीय क्षेत्र में आत्मसात होना।

उत्तरी छत्तीसगढ में तहसील एंव विकासखंड 2023

तालिका -3

क्र.	जिला	क्षेत्रफल वर्ग किलोमीटर	जनसंख्या	तहसील	विकासखंड
1	सरगुजा 1 नवंबर 1948	5732.24	840352	अम्बिकापुर, बतौली ,सीतापुर, लखनपुर, लुण्ड्रा , उदयपुर, मेनपाट, दरिमा	अम्बिकापुर, बतौली, सीतापुर, लखनपुर, लुप्तप्राय,उदयपुर ,मैनपाट
2	कोरिया 25 मई 1998	2377.17	277630	सोनहत, बैकुंठपुर, पोड़ी	सोनहत,बैकुण्ठपुर
3	जशपुर 25 मई 1998	5838	851669	पत्थलगांव, कांसाबेल, कुनकुरी, जशपुर, बगीचा ,मनोरा,दुलदुला ,फरसाबहार,सन्ना	पत्थलगांव, कांसाबेल,कुनकुरी, जशपुर ,बगीचा,मनोरंजन,दुलदुला, फरसाबहार,
4	सूरजपुर 1 जनवरी 2012	2786.76	789043	सूरजपुर, भैयाथान, ओड़गी, प्रतापपुर, प्रेमनगर ,रामानुजनगर, लटोरी	सूरजपुर, भैयाथान, ओड़गी, प्रतापपुर, प्रेमनगर ,रामानुजनगर
5	बलरामपुर 1 जनवरी 2012	7213	730491	बलरामपुर, रामानुजगंज, शंकरगढ़, राजपुर, वाड्रफनगर, कुसमी, रामचंद्रपुर, सामरी	बलरामपुर, रामानुजगंज, शंकरगढ़, राजपुर, वाड्रफनगर, कुसमी
6	मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर 9 सितंबर 2022	4226.83	381287	मनेन्द्रगढ़,भरतपुर, खड़गवा, चिरमिरी ,केल्हरी, कोटाडोल	मनेन्द्रगढ़,भरतपुर खडगंवा
कुल		28174	4251759	41	32

स्त्रोत - छत्तीसगढ जनगणना रिपोर्ट 2011 ,तथा नेट (Google search) व्दारा

उत्तरी छत्तीसगढ में जनसंख्या घनत्व एंव वृध्दि

तालिका - 4

क्र.	राज्य /जिला	क्षेत्रफल वर्ग किलोमीटर	कुल जनसंख्या	जनसंख्या वृध्दि 2011	घनत्व 2011
1	छत्तीसगढ	135192	25545198	22.61	189
2	सरगुजा	5732.24	840352	19.74	210
3	कोरिया	2377.17	277630	12.38	117
4	जशपुर	5838	851669	12.38	146
5	सूरजपुर	2786.76	789043	25.49	145
6	बलरामपुर	7213	730491	22.61	117
7	मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर	4226.83	381287	12.40	90
कुल		28174	3870472	17.23	137.37

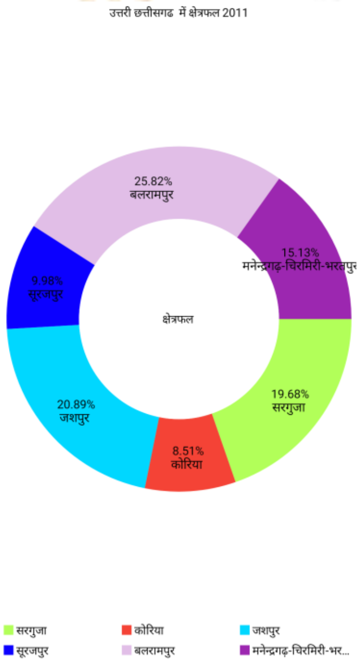

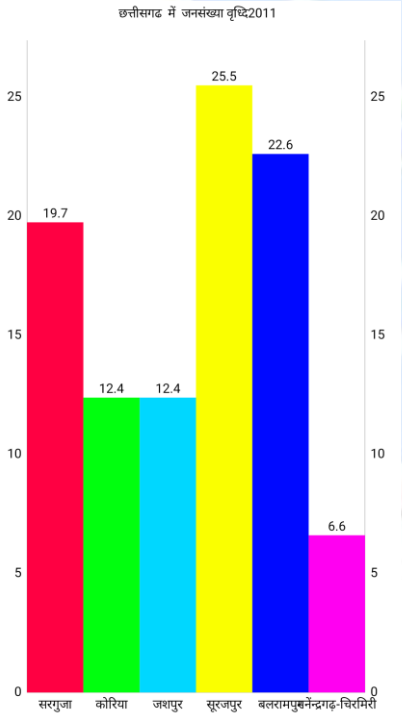

उत्तरी छत्तीसगढ में जनसंख्या,घनत्व, साक्षरता,लिंगानुपात 2011 – 2023

तालिका -5

क्र.	जिला	कुल जनसंख्या		घनत्व (प्रति वर्ग किलोमीटर)		साक्षरता		लिंगानुपात
		2011	2023	2011	2023	2011	2023	
1	छत्तीसगढ	25545198	30180000	189	223	70.03	77.9	991
2	सरगुजा	840352	960788	210	240	60.86	67.59	992
3	कोरिया	277630	315863	117	133	71.47	76.56	968
4		851669	949814	146	163	67.92	71.51	1004
5	सूरजपुर	789043	912744	145	167	60.95	63.43	980
6	बलरामपुर	730491	859440	117	137	57.98	60.82	973
7	मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर	381287	405799	90	96	70.04	77.98	995
कुल		3870472	4404648	137.37	156.33	64.87	69.68	985

स्त्रोत - छत्तीसगढ आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 पृष्ठ 21,24,25,

राष्ट्रीय सर्वेक्षण सर्वेक्षण 2018

तालिका- 4 में छत्तीसगढ के उत्तरी भाग में कुल क्षेत्रफल 28174 वर्ग किलोमीटर है।तथा जनसंख्या 2011 के अनुसार 3870472 है। तथा उत्तरी छत्तीसगढ में जनसंख्या वृध्दि दर 17.23 प्रतिशत है। उत्तरी छत्तीसगढ में सबसे अधिक वृध्दि सूरजपुर 25.49 प्रतिशत तथा सबसे कम 12.38 प्रतिशत दो जिले कोरिया और जशपुर है। जनसंख्या घनत्व उत्तरी छत्तीसगढ में 137.37 प्रति वर्ग किलोमीटर है , सबसे अधिक सरगुजा 210 प्रति व्यक्ति वर्ग किलोमीटर तथा मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 90 प्रति व्यक्ति वर्ग किलोमीटर हैं। **तालिका -5** छत्तीसगढ 2023 के आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 में जनसंख्या 30180000 अनुमानित है जो 2011 के जनगणना रिपोर्ट में छत्तीसगढ की जनसंख्या 25545198 थी। 2011 सें 2023 मे जनसंख्या वृध्दि दर 18.14 प्रतिशत है।

उत्तरी छत्तीसगढ में जनसंख्या सन 2011 में 3870472 थी जो बढ़कर 2023 में अनुमानित 4404648 है ,जो वृद्धि 13.80 प्रतिशत रही है।उत्तरी भाग में घनत्व में विभिन्नता देखी गई है सबसे अधिक सरगुजा 240 प्रति व्यक्ति वर्ग किलोमीटर तथा कम महेन्द्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर 96 प्रति व्यक्ति वर्ग किलोमीटर है। इन क्षेत्र में साक्षरता वृध्दि भी 2011 में 64.87 प्रतिशत से बढ़कर 69.68 प्रतिशत हो गया है। तथा लिंगानुपात 985 है।

छत्तीसगढ में जनसंख्या प्रक्षेपण के अनुसार :-

भारतीय जनगणना प्रतिवेदन के मत के अनुसार 2021 के प्रक्षेपित अनुमानित है कि छत्तीसगढ में 72.12 लाख जनसंख्या नगरीय होगी जो कुल जनसंख्या का लगभग 26.40 प्रतिशत होगी।

नगरीय जनसंख्या प्रक्षेपण छत्तीसगढ

तालिका - 6

क्र.	जनगणना (वर्ष में)	जनसंख्या. (लाख में)	कुल जनसंख्या (प्रतिशत में)
1	2001	41.86	20.10
2	2011	59.37	23.24
3	2021	72.12	26.40

स्त्रोत :- भारतीय जनगणना 2011,जनसंख्या प्रक्षेपित भारत - राज्य 2001 - 2021

तृतीय वित्त आयोग प्रतिवेदन छत्तीसगढ पृष्ठ 99

नगरीय तथा ग्रामीण जनसंख्या प्रतिशत 2011

तालिका - 7

क्र.	जिला	जनसंख्या	ग्रामीण	प्रतिशत	नगरीय	प्रतिशत
1	छत्तीसगढ	25545198	19607961	76.76	5937237	23.24
2	सरगुजा	840352	703650	83.73	136702	16.27
3	कोरिया	277630	221133	79.65	56497	20.35
4	जशपुर	851669	775677	91.07	75992	8.92
5	सूरजपुर	789043	717507	90.93	71536	9.06
6	बलरामपुर	730491	703256	96.27	27235	3.73
7	महेन्द्रगढ़-चिरमिरी -भरतपुर	381287	232485	60.97	148802	39.03
कुल		3870472	3353708	86.65	516764	13.35

स्त्रोत:- छत्तीसगढ जनगणना 2011

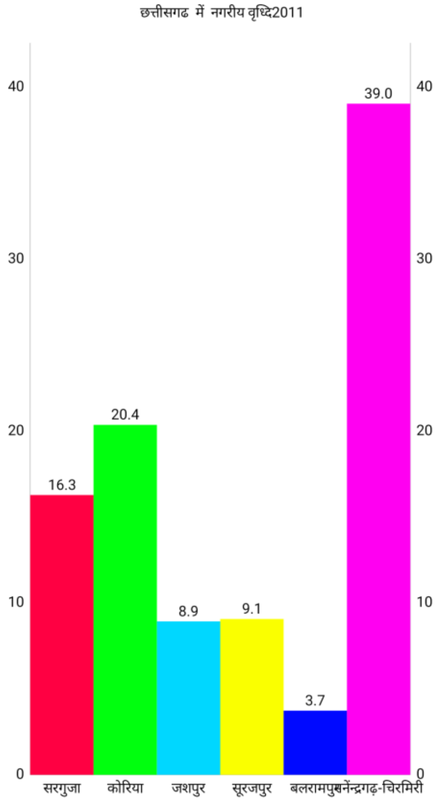

तालिका - 7 में छत्तीसगढ में नगरीकरण तथा ग्रामीणकरण जनसंख्या बताया गया है छत्तीसगढ में सन 1951 में नगरीय प्रतिशत 4.88 (3.64 लाख) तथा वर्ष 2011 में 25545198 जनसंख्या जिसमे ग्रामीण जनसंख्या 19607901 प्रतिशत 76.75 तथा नगरीय जनसंख्या 5937237 रही,जिसका प्रतिशत 23.24 रहा। उत्तरी छत्तीसगढ में सन 2011 में नगरीय प्रतिशत 13.35 (जनसंख्या 516764)प्रतिशत तथा ग्रामीणकरण 86.65 प्रतिशत (3353708)रही है। सबसे अधिक नगरीय मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर में 39.03 प्रतिशत तथा सबसे कम बलरामपुर मे प्रतिशत 3.73 है। उपयुक्त आकड़ो में उत्तरी छत्तीसगढ की कुल जनसंख्या में वृध्दि के साथ - साथ नगरीय जनसंख्या में भी तेजी सें वृध्दि हो रही है।

जनसंख्या आधारित वर्गीकरण

छत्तीसगढ में अधिकांश नगरीय क्षेत्र छोटे ओर मध्यम श्रेणी के शरीर है 182 जनगणना शहरो में केवल 9 शहर प्रथम श्रेणी, 6 नगरीय व्दितीय श्रेणी में आते है। तृतीय श्रेणी 31 नगर तथा चतुर्थ नगरो की संख्या 51 है जो तालिका - 8 में

जनसंख्या आधारित शहरो का वर्गीकरण 2011

तालिका 8

आकार श्रेणी	जनसंख्या	शहर (नगर) संख्या	जनसंख्या	कुल प्रतिशत
I	> 100000	09	3137918	52.85
II	50000 - 99999	06	503765	8.48
III	20000 - 49999	31	982212	16.56
IV	10000 - 19999	51	720288	12.13

V	5000 - 9999	72	533350	8.99
VI	5000	13	59005	0.99
कुल		182	5936538	100

स्त्रोत - (1)जनगणना भारत 2011 (2) तृतीय राज्य वित्त आयोग प्रतिवेदन 2017-18 से 2021-22 पृष्ठ 100

उत्तरी छत्तीसगढ में नगरीय क्षेत्र तथा श्रेणी 2011

तालिका -9

क्र	नगर	जनसंख्या 2011	परिवार की संख्या	क्षेत्रफल वर्ग किलोमीटर	घनत्व	श्रेणी	क्र.	नगर	जनसंख्या 2011	परिवार की संख्या	क्षेत्रफल	घनत्व	श्रेणी
1	चिरमिरी	85317	19174	129	661	I	16	विश्रामपुर	11367	2429	3.68	3089	IV
2	शिवपुर चरचा	23514	5063	17	1353	III	17	गोविदपुर	4392	930	18.15	853	VI
3	बैकुंठपुर	28431	6289	38	748	III	18	शिवानंदपुर	6567	1308	40.63	1418	V
4	कटकोना	4552	1067	3.12	1459	VI	19	भैयाथान	11204	2403	12.74	879	IV
5	मनेन्द्रगढ़	33071	7008	6.93	4772	III	20	प्रेमनगर	4954	1072	12.06	411	VI
6	खोगापानी	17400	3519	4.28	4065	IV	21	अम्बिकापुर	121071	24080	40.17	3014	I
7	झगराखण्ड	7680	1744	14	549	V	22	लखनपुर	6270	1388	6.69	937	V
8	नये लेदरी	5334	1217	1.34	3981	V	23	राजपुर	4838	987	6.0	807	VI
9	रामानुजगंज	11893	2319	6.70	1775	IV	24	सीतापुर	9361	1928	8.34	1122	V
10	बलरामपुर	4456	972	3.29	1354	VI	25	बगीचा	10427	2451	25.81	404	IV
11	वाड्रफनगर	6048	1258	5.65	1070	V	26	जशपुर	28301	6128	13.71	2061	III
12	प्रतापपुर	5635	1093	9.50	593	V	27	कुनकुरी	13846	2924	71.54	1836	IV
13	जरही	7228	1513	5.73	1261	V	28	पत्थलगांव	16613	1547	14.96	1110	IV
14	कुसमी	7448	1505	10.47	711	V	29	कोटबा	6805	3369	16.871	403	V
15	सूरजपुर	20189	4397	13.52	1493	III	30						

स्त्रोत - छत्तीसगढ जनगणना रिपोर्ट 2011

तालिका - 9 उत्तरी छत्तीसगढ में नगरो का वर्णन किया गया है। नगरीय की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि अधिकांश नगरीय जनसंख्या नगर पालिकाओ के अंतर्गत आती है। वर्तमान में 5000 एंव उससे अधिक जनसंख्या वाले नगर,नगर पंचायत में , 20000 सें अधिक जनसंख्या नगरपालिका के अंतर्गत एंव 100000 जनसंख्या से अधिक जनसंख्या वाले नगर, नगर पालिका निगम के अंतर्गत आते है। उत्तरी छत्तीसगढ

में नगरीय श्रेणी में बाटा गया है प्रथम श्रेणी के नगर का संख्या 2 है तथा तृतीय श्रेणी का 5, चतुर्थ श्रेणी का 7, पंचम श्रेणी 10,छ: श्रेणी मे 5 नगर है।

तालिका - 3 में उत्तरी छत्तीसगढ के विकासखंड में ग्रामीण तथा नगरीय अनुपात परिक्षण के बाद इन विकासखंड को विभाजित करते है -

- 10 प्रतिशत के कम नगरीय क्षेत्र पत्थलगांव, कुनकुरी ,प्रतापपुर, रामानुजगंज विकासखंड है।
- 10 से 20 प्रतिशत नगरीय क्षेत्र सूरजपुर, भरतपुर विकासखंड है।
- 20 से 30 प्रतिशत नगरीय बैकुंठपुर, जशपुर ।
- 30 से 40 प्रतिशत नगरीय अम्बिकापुर ।
- 40 से अधिक महेन्द्रगढ़,खंडगवा,झगराखण्ड ,चरचा नगरीय कृत है

नगरीय कार्यिक स्वरुप अध्ययन :-

नगरो के आकार, बनावट तथा कार्यो के पदानुक्रम निर्धारित करने का आधार माना गया है वर्तमान समय में मात्रात्मक दृष्टिकोण सें नगर का महत्व भी बढ़ा है ।इस अध्ययन में नगरो का कार्यात्मक पदानुक्रम को निम्न विधि के व्दारा किया गया है

सूत्र :-

कार्यात्मक केन्द्रीयता सूचकांक (F.C.I) = Cf.100/Rf

F.C.I = कार्यात्मक केंद्रीयता सूचकांक

CF= केंद्रस्थल की कार्यात्मक जनसंख्या

Rf = प्रादेशिक कार्यात्मक जनसंख्या

उपयुक्त सूत्र के आधार पर 14 नगरीय क्षेत्रों के कार्यो का केंद्रीयता सूचकांक ज्ञात किया गया है :

उत्तरी छत्तीसगढ में कार्यात्मक केन्द्रीयता सूचकांक

तालिका :- 10

जिला	नगर	परिवहन	कृषि श्रमिक	पशु,वन, बागवानी	खनन उत्खनन	निर्माण उद्योग	व्यापार वाणिज्यिक	अन्य कार्य
सरगुजा	अम्बिकापुर	3.85	2.16	10.60	0.28	4.76	5.91	6.99
कोरिया	कोरिया	0.35	0.12	1.04	4.96	0.25	0.25	0.37
	बैकुंठपुर	0.30	0.15	2.54	0.52	0.84	0.79	0.14
	चरचा	0.34	0.13	0.38	8.81	0.40	0.39	0.33
जशपुर	जशपुर	0.92	2.79	1.91	0.01	0.73	1.23	1.70

	पत्थलगांव	0.82	1.91	0.63	—-	0.56	1.19	1.04
सूरजपुर	सूरजपुर	0.71	1.31	1.20	0.28	0.56	1.58	1.02
	विश्रामपुर	0.25	0.14	0.01	6.87	0.37	0.46	0.34
बलरामपुर	रामानुजगंज	0.36	0.63	0.23	0.02	0.60	1.09	0.83
मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी-भरतपुर	मनेन्द्रगढ़	3.96	0.87	1.86	0.63	2.97	0.39	3.25
	खोगापानी	0.04	0.11	0.10	8.92	0.36	0.28	0.37
	झगराखण्ड	0.29	0.01	0.15	7.80	1.01	0.28	0.50
	चिरमिरी	0.09	0.19	0.05	5.48	0.10	0.25	0.53
	कुरासिया	1.88	0.20	0.80	40.12	3.72	3.41	3.38
कुल (औसत)		1.01	0.76	1.53	6.46	1.23	1.25	1.48

स्त्रोत :- शोध कार्य के आधार पर

नगरो का कार्यिक स्वरुप :-

उत्तरी छत्तीसगढ में नगरीय कार्यिक स्वरुप अध्ययन क्षेत्र में नगरीय कार्य महत्वपूर्ण स्थान है नगर के विकास में बसावट स्थिति पर उसका सीधा प्रभाव पड़ता है। नगरीय कार्यिक वर्गीकरण में कार्यो को आधार स्वीकार किया गया है, आज किसी भी एक कार्य के आधार पर नगरीय भाग को नहीं बाटा जा सकता है लेकिन मुख्य कार्य के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।जो तालिका- 11में वर्णन है

उत्तरी छत्तीसगढ में कार्यात्मक वर्गीकरण

तालिका - 11

क्र	जिला	नगर	कार्यिक श्रेणी	कार्य
1	सरगुजा	अम्बिकापुर	तीन कार्यिक नगर	पशुपालन, वन,मत्स्य, बागवानी,व्यापारिक और वाणिज्य
2	कोरिया	कोरिया	एक कार्यिक नगर	खनन
		बैकुण्ठपुर	तीन कार्यिक नगर	पशुपालन, वन,मत्स्य, बागवानी,व्यापारिक एंव वाणिज्य कार्य तथा अन्य
		चरचा	एक कार्यिक नगर	खनन
3	जशपुर	जशपुर	व्दितीय कार्यिक नगर	अन्य कार्य,कृषि श्रमिक

		पत्थलगांव	व्दितीय कार्यिक नगर	कृषि श्रमिक, व्यापारिक एंव वाणिज्य
4	सूरजपुर	सूरजपुर	एक कार्यिक नगर	खनन
		विश्रामपुर	एक कार्यिक नगर	खनन
5	मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी-भरतपुर	मनेन्द्रगढ़	व्दितीक कार्यिक नगर	अन्य कार्य,व्यापारिक एंव वाणिज्यिक
		खोंगापानी	एक कार्यिक नगर	खनन
		झगराखण्ड	एक कार्यिक नगर	खनन
		चिरमिरी	एक कार्यिक नगर	खनन
		कुरासिया	एक कार्यिक नगर	खनन
6	बलरामपुर	रामानुजगंज	तीन कार्यिक नगर	अन्य कार्य, पशुपालन, वन,मत्स्य, बागवानी,व्यापारिक एंव वाणिज्यिक

नगरीय समस्या -

1. स्थान की समस्या
2. आवासीय समस्या
3. परिवहन समस्या
4. जलापूर्ति की समस्या
5. शिक्षा की समस्या
6. स्वास्थ्य तथा चिकित्सा की समस्या
7. मल-मूत्र विसर्जन तथा जल निकासी समस्या
8. अपशिष्ट प्रबंधन की समस्या
9. पर्यावरण प्रदूषण की समस्या

निष्कर्ष :-

निष्कर्ष में हम कह सकते है कि उत्तरी छत्तीसगढ में तेजी से बढ़ती जनसंख्या तथा घनत्व में परिवर्तन देखा गया हैं। छत्तीसगढ का यह भाग प्राकृतिक भूदृश्य तथा औद्योगिक वृध्दि से आर्थिक परिदृश्य में परिवर्तन दिखाई दे रहा है। पर्यटन केन्द्र के विकास तथा परिवहन के साधनो के विकास के कारण सेवा केन्द्र की सख्या मे वृध्दि से रोजगार की मात्रा पर प्रभाव पड़ता है ग्रामीण क्षेत्रो से लोग रोजगार के लिए नगर मे आते है। नगर अनेक सुविधा केन्द्र का स्थान होता है, स्कूल, महाविद्यालय, यूनिवर्सिटी,पोस्ट ऑफिस, मेडिकल सुविधा,बैक ,माॅल ,प्रशासनिक कार्य ,मनोरंजन के साधन। बाजार केन्द्र की अधिकांश संख्या, व्यापारिक एंव वाणिज्यिक कार्यो के कारण नगरो में जनसंख्या वृध्दि होती है। नगरीय

क्षेत्र के विकास में अपकेन्द्रीय एंव अभिकेन्द्रीय शक्ति महत्वपूर्ण होती है जहां नगरीय जनसंख्या में वृध्दि से नगरो का विस्तार वहीं ग्रामीण क्षेत्रो में भी सुविधा से नगरो के चारो ओर विकास दिखाई देता है। नगरीय क्षेत्र में जहां जनसंख्या वृध्दि से नगरीय क्षेत्र में अनेक समस्याओ का जन्म हो जाता है। नगर में जनसंख्या के अनुपात में सुविधाओ में कमी हो जाती है। नगरीय केन्द्रीयल भाग में जनसंख्या का अधिक जमाव तथा उच्च किराया,भूमि का मूल्य अधिक होने कारण जनसंख्या का कुछ भाग नगर के बाहरी सीमा में बसाव होते जाता है। जिससे नगर के विस्तार के साथ सुविधा (सेवा क्षेत्र) का भी लाभ मिलने लगता है। नगरो मे कार्यो की जटिलता के कारण नगरीय कार्यिक स्वरुप में बाटना मुश्किल हो जाती है। उत्तरी छत्तीसगढ के 6 जिले की अपनी -अपनी विशेषता लिए है। कोरिया, मनेन्द्रगढ़ - चिरमिरी-भरतपुर ,सूरजपुर बलरामपुर में कोयला भण्डार तथा उत्पादन केंद्र महत्वपूर्ण है। सरगुजा, जशपुर में बॉक्साइट उत्पादन केंद्र, सूरजपुर में युरेनियम की प्राति , विभिन्न धार्मिक और एतिहासिक स्थल ,विभिन्न पर्यटन केंद्रो का विकास आदि। छत्तीसगढ के उत्तरी भाग में नगरीय प्रतिशत 13.35 से अधिक है। इन क्षेत्र में जनसंख्या 44 लाख (2023) लगभग हो गई है जिससे यह प्रकट होता है कि यहां का वातावरण रहने के लिए अनुकूल है।

संदर्भ ग्रंथ :-

- रवि ,कल्याण . कमलेश,एस.आर : प्राकृतिक संसाधन और आर्थिक विकास सरगुजा एंव बिलासपुर संभाग छत्तीसगढ vol - 46 December 2016 उत्तर भारत भूगोल पत्रिका
- रवि,कल्याण : नगरीकरण एंव वन्य प्राणियो का अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष उत्तर भारत भूगोल पत्रिका vol- 47 December
- कविता :सीकर शहर में नगरीकरण की बदलती प्रवृतियो का भौगोलिक अध्ययन IJHSSI, ISSN 2319 - 7714 पृष्ठ-156 -162
- त्रिपाठी गणेश :बस्ती मण्डल में नगरीकरण का स्तर। शोध मंथन vol.XII No 3,July - Sep. 2021
- नेगी,प्रतिभा। : कोटद्वार नगरीय क्षेत्र का भौगोलिक अध्ययन KIJAHS vol - 5 page no 24 -28 Jul - Sep 2018
- कुमार ,विजय : बिहार के नगरीकरण में शिक्षा का योगदान IJCRT vol - 8 Issue 10 October 2020
- बहादुर, राज : जौनपुर नगर की बढ़ती जनसंख्या : कारण प्रभाव एंव निवारण। IJCRT vol -9 Isse 6 June 2021
- बैरवा जयराम : भारतीय समाज में गंदी अथवा मलिन बस्तियो की समस्या IJERTIR April 2018, vol- 5 Issue 4
- सेठी,अर्चना : छत्तीसगढ में नगरीय जनसंख्या की प्रवृत्ति J.humanities and social science 2012 July - Sep. पृष्ठ 115 -118
- यादव,आर्थिक.एन : छत्तीसगढ के नगरीय जनसंख्या में वृध्दि की प्रकृति: एक भौगोलिक अध्ययन। शोध पत्र रिसर्च लिंक अक मार्च - मई 2006 पृष्ठ 66 -68
- यादव, आर्थिक एन. :" मध्य प्रदेश में नगरीय विकास का प्रतिरूप पीएचडी 2002
- Mahapatra S.N : Rapid Urban Expansion and it's Implications on Geomorphology A Remote sensing Hindawi publishing corporation Geography Journal vol 2014 page 10
- सोनकर,निहारिका : विकासखंड शिवगढ़ जनपद प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) मे जनसंख्या की गत्यात्मक IJRRSS vol - 9 Issue 01 January March 2021
- अग्रवाल, मधुलिका : नगरीकरण का पर्यावरण पर प्रभाव IJRRSS vol 7 Issue 02 April June 2019
- सिंह सुनीता : नगरीय जनसंख्या वृध्दि बदलती प्रवृतिया एंव समस्या योजना जुलाई 2003
- बघेल,अनुसूइया : मध्य प्रदेश के बड़े नगरों का कार्यिक वर्गीकरण भूविज्ञान, अक -5 संख्या 1
- बंसल सुरेश चन्द्र : नगरीय भूगोल मीनाक्षी प्रकाशन मेरठ उत्तर प्रदेश
- मौर्य ,आर.एन. ,सिंह ,आर.एन : नगरीय भूगोल शारदा पुस्तक भवन इलाहाबाद
- खत्री,हरीश : नगरीय भूगोल ,कैलाश पुस्तक सदन भोपाल

- करण,एम.पी.: नगरीय भूगोल, किताब घर आचार्य नगर कानपुर
- बंसल,एस .सी. :अधिवास एंव जनसंख्या भूगोल ,रस्तोगी पब्लिकेशन शिवाजी रोड,मेरठ
- तिवारी रामचन्द्र : अधिवास भूगोल, प्राधिकार पब्लिकेशन यूनिवर्सिटी इलाहाबाद
- मौर्य ,एस.डी : अधिवास भूगोल, शारदा पब्लिकेशन इलाहाबाद
- छत्तीसगढ आर्थिक सर्वेक्षण 2022 -23
- राज्य वित्त आयोग प्रतिवेदन
- सरगुजा गजेटियर
- IBC24 NEWSPAPER 29 November 2022 .
- ALLGK New 2023
- Night.news 2023 -2-06
- हरिराम पटेल छत्तीसगढ का सामान्य ज्ञान